QUESTION & ANSWER :

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

प्रश्न 1 -: मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है ?

How does speaking sweet speech bring happiness to others and coolness to one's body?

उत्तर कबीरदास जी के अनुसार जब आप दूसरों के साथ जब हम मीठी वाणी में बोलते हैं तो इससे सुनने वाले को अच्छा लगता है और वह हमारी बात अच्छे तरीके से सुनता है। सुनने वाला हमारे बारे में अपनी अच्छी राय बनाता है जिसके कारण हम आत्मसंतोष का अनुभव कर सकते हैं।

प्रश्न 2 -: दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है ? साखी के सन्दर्भ में स्पष्ट . किजिए।

How does the darkness disappear when the lamp is visible? Explain in the context of Sakhi.

उत्तर दीपक में एक प्रकाशपुंज होता है जिसके प्रभाव के कारण अंधकार नष्ट हो जाता है। इसी प्रकार मन में ज्ञान रूपी दीपक का प्रकाश फैलते ही मन में छाया भ्रम, संदेह और भयरूपी अंधकार समाप्त हो जाता है|

प्रश्न 3 -: ईश्वर कण - कण में व्याप्त है , पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते ?

God is present in every particle, but why can't we see it?

उत्तर ईश्वर कण-कण में व्याप्त है फिर भी हम उसे देख नहीं पाते क्योंकि हम उसे उचित जगह पर तलाशते ही नहीं हैं। ईश्वर तो हमारे भीतर है लेकिन हम उसे अपने भीतर ढूँढ़ने की बजाय अन्य स्थानों; जैसे तीर्थ स्थल, मंदिर, मस्जिद आदि में ढूँढ़ते हैं।

प्रश्न 4 -: संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन ? यहाँ 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतिक हैं ? इसका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

Who is the happy person in the world and who is the sad one? What does 'sleep' and 'wake up' represent here? Why is it used here? Explain.

उत्तर कबीरदास के अनुसार संसार के वे सभी व्यक्ति जो बिना किसी चिंता के जी रहे हैं वे सुखी हैं तथा जो ईश्वर वियोग में जी रहे हैं वे दुखी हैं। यहाँ 'सोना ' 'अज्ञान ' का और 'जागना ' ईश्वर - प्रेम ' का प्रतिक है। इसका प्रयोग यहाँ इसलिए हुआ है क्योंकि कुछ लोग अपने अज्ञान के कारण बिना चिंता के सो रहे हैं और कुछ लोग ईश्वर को पाने की आशा में सोते हुए भी जग रहे हैं।

प्रश्न 5 -: अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?

What is the remedy suggested by Kabir to keep his nature pure?

उत्तर अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए बड़ा ही कारगर उपाय सुझाया है। कबीर ने कहा है कि हमें अपने आलोचक से मुँह नहीं फेरना चाहिए। कबीर ने कहा है कि हो सके तो आलोचक को अपने आस पास ही रहने का प्रबंध कर दें।

प्रश्न 6 -: ' ऐकै अषिर पीव का , पढ़ै सु पंडित होइ ' - इस पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

What does the poet want to say by this line 'Aikai ashir piva ka, padhai su pandit hoi'?

उत्तर इस पंक्ति द्वारा कवि यह कहना चाहते है कि जिस व्यक्ति ने ईश्वर का एक अक्षर भी पढ़ लिया है, वहीं वास्तविक ज्ञानी है। ईश्वर ही एक मात्र सत्य है और उसे जानेवाला ही सच्चे अर्थों में ज्ञानी है ।

प्रश्न 7 -: कबीर की उद्धृत साखियों की भाषा की विशेषता प्रकट कीजिए।

Describe the characteristics of the language of the Sakhis quoted by Kabir.

उत्तर कबीर की उद्धृत साखियों की भाषा की विशेषता स्पष्ट कीजिए। उत्तर:- कबीर का अनुभव क्षेत्र विस्तृत था। ... भाषा में लयबद्धता, उपदेशात्मकता, प्रवाह, सहजता, सरलता शैली है। लोकभाषा का भी प्रयोग हुआ है; जैसे – खायै, नेग, मुवा, जाल्या, आँगणि आदि।

(ख) निम्नलिखित पंक्तिओं के भाव स्पष्ट कीजिये

प्रश्न 1 'बिरह भुवंगम तन बसै , मंत्र न लागै कोइ।'

Birah Bhuvangam tan basai, mantra na lagai koi.

उत्तर विरह से तात्पर्य है जब कोई आपसे दूर हो जाए और आप उसकी याद मै जी रहे हो तब हमारे भीतर जो भावना उत्पन होती है उसे विरह कहते है।

Brainbox learn easy

प्रश्न 2 ' कस्तूरी कुंडलि बसै ,मृग ढूँढ़ै बन माँहि। '

Kasturi Kundali is settled, find the deer, become mother.

उत्तर हिरण की नाभि में कस्तूरी रहता है जिसकी सुगंध चारों ओर फैलती है। हिरण इससे अनभिज्ञ पूरे वन में कस्तूरी की खोज में मारा मारा फिरता है। इस दोहे में कबीर ने हिरण को उस मनुष्य के समान माना है जो ईश्वर की खोज में दर दर भटकता

प्रश्न 3 ' जब मैं था तब हरि नहीं ,अब हरि हैं मैं नहीं। '

'When I was there I was not Hari, now I am not Hari. '

उत्तर इस पंक्ति का भाव यह है कि अहंकार और ईश्वर एक दूसरे के विपरीत हैं जहाँ अहंकार है वहां ईश्वर नहीं ,जहाँ ईश्वर है वहां अहंकार का वास नहीं होता।

प्रश्न 4 ' पोथी पढ़ि - पढ़ि जग मुवा , पंडित भया न कोइ। '

' Read the pothi - read the world, Pandit bhaya na koi. '

उत्तर इस पंक्ति का भाव यह है कि किताबी ज्ञान किसी को पंडित नहीं बना सकता , पंडित बनने के लिए ईश्वर - प्रेम का एक अक्षर ही काफी है।

****

Brainbox learn easy